Synergy

BSES BSES Rajdhni Power Limited नवम्बर – दिसम्बर 2008

क्रिसमस व नए साल पर बीएसईएस की ओर से शुभकामनाएं

अब एटीएम जैसी मशीनों से कीजिए भुगतान

बीएसईएस हमेशा विश्वस्तरीय पहल करती रही है। इस बार, कंपनी जगह– जगह एटीएम जैसी मशीनें लगा रही है, जिनके माध्यम से बीएसईएस उपभोक्ता अपने बिजली बिलों का भुगतान कर सकेंगे। और इसके साथ ही बीएसईएस, अत्याधुनिक व तकनीकी रूप से दक्ष बैंकों की श्रेणी में आ गई है, जो कि इस तरह की सेवाएं मुहैया कराते हैं। यहां यह बताना जरूरी होगा कि एटीएम जैसी मशीनों के माध्यम से बीएसईएस उपभोक्ता अब कभी भी और कहीं भी अपने बिजली बिलों का भुगतान कर सकते हैं। वैसे, उपभोक्ताओं के पास बिलों का भुगतान करने के लिए पहले से ही 2000 से अधिक विकल्प मौजूद हैं।

पहले चरण में, बिल पेमेंट कियॉस्क बीएसईएस के 10 डिविजन ऑफिसों में लगाए गए हैं– पांच बीआरपीएल में और पांच बीवाईपीएल में। जिन डिविजन ऑफिसों में ये कियॉस्क लगाए गए हैं, उनमें शामिल हैं बीवाईपीएल के झिलमिल, दिलशाद गार्डन, मयूर विहार 3, लक्ष्मी नगर व शंकर रोड डिविजन, और बीआरपीएल के सरिता विहार, खानपुर, विकासपुरी, जनकपुरी और आरके पुरम डिविजन। आने वाले दिनों में, ये मशीनें बीएसईएस के सभी 33 डिविजनों के कस्टमर केयर/डिविजन ऑफिसों में लगाई जाएंगी। फिलहाल, ये मशीनों सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक काम करेंगी। उपभोक्ताओं के रेस्पॉन्स को देखते हुए उनके कामकाज का समय बढ़ाया जाएगा और ये चौबीसों घंटे व सातों दिन काम करेंगी।

पैसे बचाओ!

सोलर वाटर हीटर लगाएं और अपना बिजली बिल कम करें। दिल्ली सरकार की ओर से घरेलू उपभोक्ताओं को 6000 रूपये की सब्सिडी दी जाती है। इच्छुक लोग ईई व आरईएम सेन्टर से संपर्क कर सकते हैं (मोबाइल – 9810076944 और 9810299689)।

बीआरपीएल/ बीवाईपीएल द्वारा उनके कस्टमर केयर सेंटरों/ डिविजन ऑफिसों में ये मशीनें लगाई गई हैं, ताकि उपभोक्ता बिना लाइन में लगे और बिना किसी भीड़भाड़ व परेशानी के बीएसईएस के बिलों का भुगतान कर सकें। इस मशीन की कुछ खास बातें ये हैं: 1. चेक/ डीडी/ नकद स्वीकार किए जाएंगे 2. आसान उपयोग के लिए बहुभाषी (हिंदी– अंग्रेजी) टचस्क्रीन 3. किसी भी डिविजन ऑफिस में लगी मशीन से बिल भुगतान की सुविधा 4. बिना बिल के भुगतान 5. आवाज अधारित निर्देश की सुविधा 6. भुगतान का कंफर्मेशन तुरंत 7. एक ही भुगतान के माध्यम से कई बिलों के भुगतान संभव।

प्रधानमंत्री राहत कोष में बीएसईएस ने दिए 50 लाख

पिछले दिनों बिहार में आई भयानक बाढ़ ने लाखों लोगों को बेघर कर दिया और बड़े पैमाने पर उनकी संपत्तियां बरबाद हुईं।

इस राष्ट्रीय आपदा को देखते हुए बीएसईएस कर्मचारियों ने अपने एक दिन का वेतन प्रधानमंत्री राहत कोष में दिया और बेघर हुए लोगों के प्रति सहृदयता दिखाई। डेसू टेक्निकल स्टाफ असोसिएशन और दिल्ली स्टेट इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स यूनियन सहित, बीएसईएस के सीनियर अधिकारियों ने 25–25 लाख रूपये के दो चेक, प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा कराने के लिए, केंद्रीय बिजली मंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे को दिए।

बीएसईएस को दो और आईटी अवॉर्ड मिले

बीएसईएस ने आईटी क्षेत्र के तीन अवॉर्ड झटक कर हैट ट्रिक बनाया है। सूचना तकनीक के क्षेत्र में दक्षता और स्टेट ऑफ द आर्ट तकनीकी की बदौलत, 30 दिनों के भीतर बीएसईएस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित तीन अवॉर्ड मिले।

अगस्त 2008 में एन्वायरमेंटल सिस्टम्स रिसर्च इंस्टिट्यूट (ईएसआरआई) द्वारा दिए गए स्पेशल अचीवमेंट इन जीआईएस अवॉर्ड पाने के तुरंत बाद, बीएसईएस ने सितंबर 2008 में दो और अवॉर्ड झटके– अपने ऑटोमैटिक मीटर रीडिंग (एएमआर) प्रोजेक्ट के लिए सीआईओ का बोल्ड 100 अवॉर्ड और अपने प्रोजेक्ट बीयूएन (बीएसईएस यूनिफाइड नेटवर्क) के लिए एएमडी एथलॉन का स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर अवॉर्ड। सीआईओ का बोल्ड 100, 2008 अवॉर्ड इंटरनेशनल डेटा ग्रुप (आईडीजी) की सीआईओ मैगजीन को ओर से दिया गया।

प्रोजेक्ट बीयूएन के तहत, 950 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले बीएसईएस के सैकड़ों ऑफिसों को आपस में जोड़ा व स्वचालित बनाया गया। बिजनेस व अन्य संबंधित कार्यों को पूरा करना एक चुनौती थी।

हम सुन रहे हैं...
डायल कीजिए 39999707

अपने सुझाव और विचार भेजें: संपादकीय टीम, कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस, बीएसईएस भवन, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली – 110 019
अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें – www.bsesdelhi.com